आओ चलें सम्पूरणता की ओर

❍ 30 / 11 / 14 की मुरली से चार्ट ❍

⇛ TOTAL MARKS:- 100 ⇚

✺ शिवभगवानुवाच :-

➳ _ ➳ रोज रात को सोने से पहले बापदादा को पोतामेल सच्ची दिल का दे दिया तो धरमराजपुरी में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी ।

∬1∬ स्वमान का अभ्यास (Marks:-10)

➢➢ **मैं वरदानी आत्मा हूँ ।**

∬2∬ गुण / धारणा पर अटेंशन (Marks:-10)

➢➢ **क्रोधी आत्मा को रहम के शीतल जल द्वारा गुण दान करना**

∬3∬ बाबा से संबंध का अनुभव(Marks:-10)

➢➢ **टीचर**

∬4∬ होमवर्क (Marks:- 7*5=35)

‖✓‖ "हम °शिववंशी ब्रहमाकुमार कुमारियाँ° हैं" - यह फखुर रहा ?

‖✓‖ स्वयं बाप अपना वतन छोड़ हम °गोडली स्टूडेंट्स° को पढाने आते हैं" - अपने इस भाग्य की स्मृति रही ?

‖✓‖ साकार कर्म में °ब्रह्मा बाप को फॉलो° किया ?

‖✓‖ निराकारी स्थिति में अशरीरी बनने में °शिव बाप को फॉलो° किया ?

‖✓‖ अपनी °प्राप्तियों की लिस्ट° को बुधी में इमर्ज रखा ?

‖✗‖ "°क्या करें°, यह हो गया, वह हो गया" - ऐसे संकल्प या ऐसी बातें तो नहीं की ?

‖✗‖ 100 हिमालय जितने बड़े ते बड़े विघन आने पर हटे तो नहीं, °हार तो नहीं खायी° ?

∬5∬ विशेष अभ्यास (Marks:-15)

➢➢आज दिन भर °बापदादा का बार बार आह्वान° किया ?

∬6∬ ज्ञान मंथन (वरदान) (Marks:-10)

➢➢ अचल और जीवनमुक्त स्थिति का अनुभव करने के लिए सर्व प्राप्तियों की स्मृति इमर्ज करके रखना क्यों आवश्यक है ?

❋ स्मृति ही स्थिति का आधार है । जैसी स्मृति वैसी स्थिति।

❋ सर्व प्राप्तियों की स्मृति से ही हम सर्व शक्तियों को अपने आर्डर प्रमाण चला पाते हैं ।

❋ सर्व प्राप्तियों की स्मृति से हम अपने आदि अनादि स्वरुप में सहज ही स्थित हो पाते हैं ।

❋ प्राप्तियो की स्मृति के आधार से ही हम आनन्द और अतीन्द्रिय सुखो के झूले में झूलेंगे।

❋ प्राप्तियो की स्मृति से ही हम उस अनुसार संपन्न बनते जायेंगे।

❋ प्राप्तियो की स्मृति होगी तभी हम समय अनुसार उनका उपयोग या प्रयोग कर पाएंगे।

❋ प्राप्तियो की स्मृति से ही हममे अथॉरिटी आती है।

❋ प्राप्तियो की स्मृति ही हमें अनेक परिस्थितियों को पार करने का मार्ग बताती है।

∬7∬ ज्ञान मंथन (स्लोगन) (Marks:-10)

➢➢ याद द्वारा सर्व शक्तियों का खज़ाना अनुभव कर शक्ति सम्पन्न कैसे बन सकते हैं ?

❊ याद द्वारा सतोप्रधान बन अपने अनादि संस्कारों को इमर्ज कर शक्ति सम्पन्न बन सकते हैं।

❊ याद में रह अपने स्वरूपों की स्मृतियों से सर्व शक्ति सम्पन्न बन सकते हैं।

❊ याद द्वारा सभी अलंकारों को धारण कर शक्ति स्वरूप् बन सकते हैं।

❊ याद से परमात्मा के नज़दीक रह उनके साथ का सदा अनुभव करके बाप समान बन शक्ति सम्पन्न बन सकते हैं।

❊ अशरीरी अवस्था द्वारा अपने कर्मो में दिव्यता ला कर शक्ति सम्पन्न बन सकते हैं।

⊙_⊙ आप सभी बाबा के प्यारे प्यारे बच्चों से अनुरोध है की रात्रि में सोने से पहले बाबा को आज की मुरली से मिले होमवर्क के हर पॉइंट के मार्क्स ज़रूर दें ।

♔ ॐ शांति ♔